|| करो न विघ्न सब दूर सालासर वाला ||

करो न विघ्न सब दूर, ओ सालासर वाला करो न विघ्न सब दूर |

सालासर थारो भवन विराजे, झालर शंख नंगारा बाजै |
द्वारे थारै नोपत बाजै, ओ चढ़ता है घृत सिंदूर || सालासर वाला ||

थे बजरंगी हो रणमण्डल, मोटे पांव भूजा बल दंगल |
दानव मार के कर दिया खण्डन, ओ कर दिया चकनाचूर || सालासर वाला ||

रामचंद्र जी के सार दिए काजा, समदर ऊपर बाँध दिए पाजा |
रावण सरीखा मार दिए राजा, मुखड़े से बरसै है नूर || सालासर वाला ||

बालाजी ने सभी मनावे, मन इच्छा भोजन फल पावै |
बदरीदास बिरमण गावै, देवोजी विद्या भरपूर || सालासर वाला ||

बोलो सच्चे दरबार की जय...
पवन सूत हनुमान की जय...
बोल नाथ जी महाराज की जय